



# Bihar Museum Library Membership

---

Read in English | हिंदी में पढ़ें




Bihar Museum aspires to communicate the invaluable history and heritage of our oldest civilisations and envisions a world where this culture is widely celebrated. The museum believes that by understanding and appreciating the lessons from the past, we can better navigate present challenges and pursue a brighter future. Towards this end, the institution aims to serve as a hub for resources, forging vital collaborations and networks with both national and international experts. By doing so, Bihar Museum will continually expand its resource pool, further enhancing its ability to offer a deep and comprehensive narrative of our past.

The museum recognises the importance of supporting continued learning and engagement with its resources. In this regard, the Bihar Museum has planned to launch an affordable library membership which offers members ease of access to a host of publications.

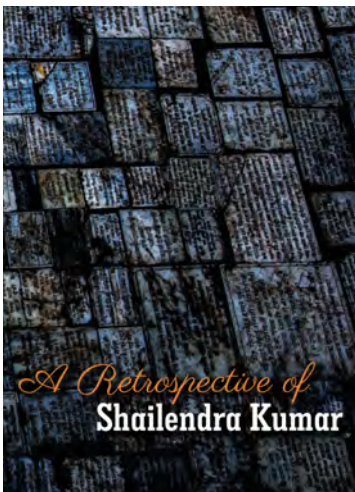


The museum has a growing collection of books on a wide range of topics, some of which are listed here:



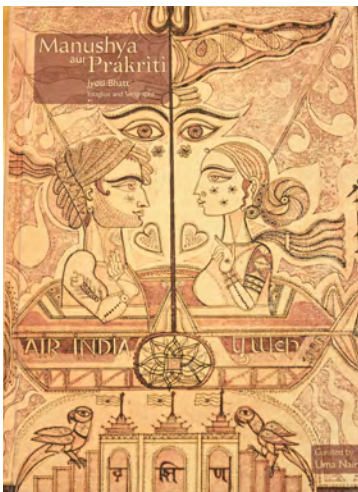
**Bihar Museum Biennale 2021: Connecting People Connecting Culture**

A compilation of the exhibits from thirteen renowned museums of our country that were on display during the mega exhibition called the Bihar Museum Biennale in March 2021.



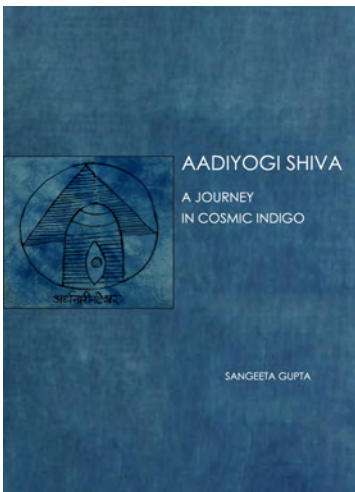
**A Retrospective of Shailendra Kumar**

This catalogue is a rich tribute to the ace photographer, Shailendra Kumar, who has given photography the status of an art. The book boasts work from a period of more than four decades.




**Manushya aur Prakriti— Jyoti Bhatt**

The book retrospects a treasure of the multidisciplinary genius, Jyoti Bhatt’s work in contemporary printmaking, i.e. intaglios, etchings and serigraphs. Also there is detail of his long and successful life of now approaching ninety years.



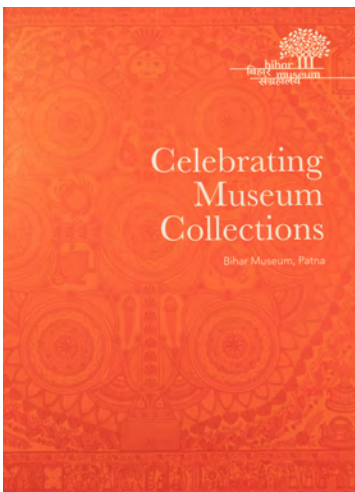
**Aadiyogi Shiv- A Journey in Cosmic Indigo by Sangeeta Gupta**

This classic catalogue has on display in full grandeur the textile painting in organic indigo colour and dye. The indigo colour exhibits the resonance of Shiva – the Adi Purush, the Ardh Nareeshwar of the Sanatana dharma.



**Sanjay Kumar : A Traveller of Rational Path**

Dedicated to the poet, painter and sculptor, Shri Sanjay Kumar, this book is a compilation of his varied work of nearly four decades. He uses different mediums to depict similar sentiments and that reflects the vast inner range of the artist.



**Celebrating Museum Collections**

This is a unique publication of the proceedings of a one-day seminar held at the Bihar Museum. It has a compilation of the key collections of 26 attending museums and institutions from all over the country.

## Membership Registration Charges for the Library

General Candidate	₹ 500	Yearly
Ph.D. & M.Phil.	₹ 300	Yearly
PG, Graduate & UG	₹ 200	Yearly

While the library is currently only available offline from 10 am to 4.30 pm, the museum aims to make these resources available online in the near future, extending access to its trove of resources to a wider audience and allowing individuals worldwide the opportunity to learn from and appreciate this rich legacy.

For any further enquiry about the library

Contact the librarian at  
**biharmuseumlib@gmail.com**  
**0612-2235732**



# बिहार संग्रहालय का पुस्तकालय

१९, मई, २०२३

हमारी प्राचीनतम सभ्यताओं ने विरासत में हमें जो अनमोल ऐतिहासिक धरोहर दिए हैं, संस्कृति की जो बहुमूल्य थाती हमें सौंपी है, उनके महत्व को समझते हुए हम उनकी कद्र करें और अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए उन्हें संजो कर रखें, इस महान लक्ष्य को साधने की दिशा में बिहार संग्रहालय सदैव तत्पर है। वर्तमान की चुनौतियों का दृढ़तापूर्वक सामना करने के लिए तथा भविष्य की राह प्रशस्त करने के लिए अपने अतीत के हर पन्ने की सावधानीपूर्वक समालोचना करना और उससे सही सबक ग्रहण करना आवश्यक है। इस महत्वपूर्ण लक्ष्य के संधान के लिए बिहार संग्रहालय ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के इतिहासकारों, शिक्षाविदों, कलाकारों तथा कला-मर्मज्ञों के साथ एक घनिष्ठ संबंध बनाते हुए उनके ज्ञान, प्रतिभा तथा अनुभव के बहुमूल्य संसाधनों से समृद्ध एक पुस्तकालय का निर्माण किया है, जहाँ संग्रहालय के द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की भी लम्बी शृंखला मौजूद है।

ज्ञान-विज्ञान का प्रकाश हर दिशा में फैले, तभी अज्ञानता,अंध-विश्वास तथा कूप-मण्डूकता का अंधकार छूटता है और देश तथा समाज प्रगति करता है। ज्ञान का उजाला हर हृदय, हर मस्तिष्क को जागृत करे, इसके लिए बिहार संग्रहालय के पुस्तकालय के द्वारा सभी इच्छुक व्यक्तियों के लिए खुले हैं। बहुत ही साधारण दर पर इसकी सदस्यता प्राप्त कर आप भी इन अनमोल पुस्तकों को अपना साथी बनायें।

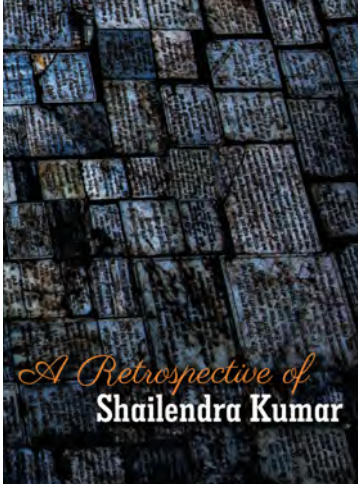


## संग्रहालय के पास विविध विषयों से संबंधित पुस्तकों के ख़ज़ाने के कुछ अनमोल मोती हैं :



### बिहार म्यूजियम बिनाले २०२१: कनेक्टिंग पीपल कनेक्टिंग कल्चर

अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित यह पुस्तक मार्च २०२१ में बिहार संग्रहालय में आयोजित की गयी देश की पहली द्वैवार्षिक महा-प्रदर्शनी "बिहार म्यूजियम बिनाले" में शामिल देश के अलग-अलग १३ संग्रहालयों की प्रतिनिधि कलाकृतियों का एक बेहतरीन संकलन है।



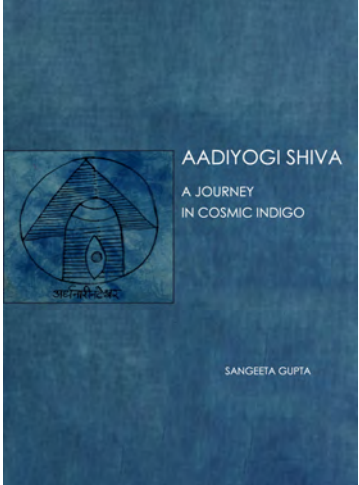
### अ रेट्रोस्पेक्टिव ऑफ़ शैलेन्द्र कुमार

फोटोग्राफी को कला का दर्जा दिलाने वाले प्रसिद्ध फोटोग्राफर शैलेन्द्र कुमार की चार दशकों से अधिक लम्बी अवधि की कला-यात्रा का निचोड़ है यह संकलन।



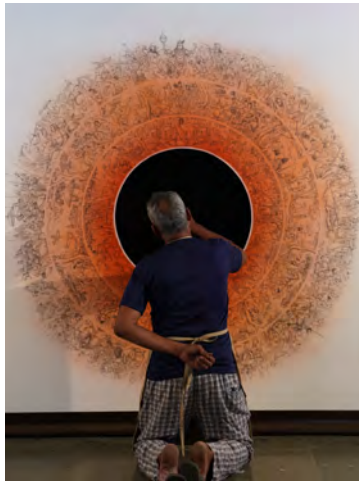
### मनुष्य और प्रकृति - ज्योति भट्ट

यह पुस्तक बहुमुखी प्रतिभा के धनी श्री ज्योति भट्ट के आधुनिक मुद्रण-कला (प्रिंटमेकिंग) के अद्भुत कृतियों का संकलन है। साथ ही यह कला साधना को समर्पित उनके ९० वर्षों के जीवन को एक आदरांजलि भी है।



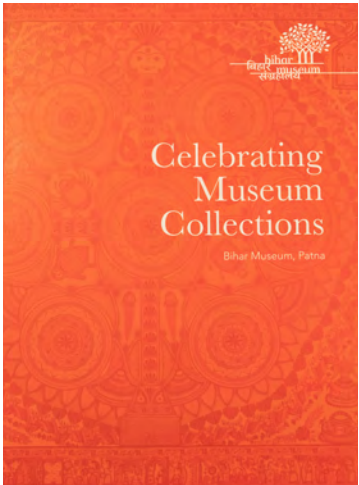
### आदियोगी शिव- अ जर्नी इन कॉस्मिक इंडिगो बाइ संगीता गुप्ता

यह संगीता गुप्ता की कलाकृतियों का एक उत्कृष्ट संकलन है, जिसमें कपड़े पर की गयी चित्रकारी की विशेषता उसकी नीलाभ आभा है, जिसे कलाकार ने नीलकंठ महादेव शिव की प्रतिच्छाया से जोड़ा है।



### संजय कुमार: अ ट्रैवलर ऑफ़ रैशनल पाथ

कवि, चित्रकार और मूर्तिकार श्री संजय कुमार की विविध कृतियों का यह संकलन, एक ही विषय को अलग-अलग माध्यमों से दर्शाने की उनकी बहुविध प्रतिभा को प्रदर्शित करता है।



### सेलब्रेटिंग म्यूजियम कलेक्शंस

बिहार संग्रहालय में २७ जून २०१९ को आयोजित हुई एक संगोष्ठी में हिस्सा ले रहे देश के २६ संग्रहालयों के प्रतिनिधियों के विचार और उन संग्रहालयों की कुछ प्रतिनिधि कलाकृतियों का संकलन है यह पुस्तक।

## पुस्तकालय सदस्यता- शुल्क

सामान्य सदस्य	₹ ५००	वार्षिक
पीएचडी और एमफिल	₹ ३००	वार्षिक
अन्य सभी छात्र	₹ २००	वार्षिक

पुस्तकालय की इस सुविधा का लाभ वर्तमान में सुबह १० बजे से शाम ४.३० बजे तक सिर्फ प्रत्यक्ष तौर पर उपस्थित होकर ही उठाया जा सकता है। संग्रहालय का प्रयास है कि निकट भविष्य में ही यह सुविधा ऑन-लाइन भी मिल सके, ताकि बड़े पैमाने पर विश्व के हर कोने से लोग इससे जुड़ सकें।

पुस्तकालय के बारे में किसी भी अन्य जानकारी के लिए पुस्तकालयाध्यक्ष से यहाँ संपर्क करें :

biharmuseumlib@gmail.com  
०६१२-२२३५७३२